

छत्तीसगढ़ पीसीएस प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्न पत्र 1 सामान्य अध्ययन

भाग 01

सामान्य अध्ययन

- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
- भारत का भौतिक, सामाजिक और आर्थिक भूगोल
- भारत का संविधान और राजनीति
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- सामान्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- भारतीय दर्शन, कला, साहित्य और संस्कृति
- करेंट अफेयर्स और खेल
- पर्यावरण

भाग 02

छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान

- छत्तीसगढ़ का इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान।
- भूगोल, जलवायु, भौतिक स्थिति, जनगणना, पुरातत्व और छत्तीसगढ़ के पर्यटन केंद्र।
- साहित्य, संगीत, नृत्य, कला और संस्कृति, मुहावरे और कहावतें, पहेली(जनऊला), छत्तीसगढ़ का गायन (हाना)।
- छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ, विशेष परंपराएँ, तीज और त्यौहार।
- छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था, वन और कृषि।
- प्रशासनिक संरचना, स्थानीय सरकार और छत्तीसगढ़ की पंचायती राज व्यवस्था।
- छत्तीसगढ़ में उद्योग, छत्तीसगढ़ के ऊर्जा, जल और खनिज संसाधन।
- छत्तीसगढ़ के करेंट अफेयर्स।

सामान्य अभिरुचि परीक्षण

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- नर्णय लेना एवं समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्ययन (संख्याएँ एवं उनके संबंध , वस्तुतः क्रम आदि- दसवीं कक्षा का स्तर) आँकड़ों का नर्णय (चार्ट , ग्राफ तालिका , आँकड़ों की पर्याप्तता आदि- दसवीं कक्षा : स्तर)
- हनिदी भाषा में बोधगम्यता कौशल (दसवीं कक्षा का स्तर)
- छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

प्रश्न पत्र - 1 भाषा

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग 01—सामान्य हदी

- भाषा बोध,
- संक्षिप्त लेखन,
- पर्यायवाची वलिम शब्द,
- समोच्चरति शब्दो के अर्थ भेद,
- वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द,
- संधि एवं संधिविच्छेद,
- समासकि पद रचना एवं समास वगिरह,
- तत्सम एवं तद्भव शब्द,
- शब्द शुद्धि,
- वाक्य शुद्धि
- उपसर्ग एवं प्रत्यय
- मुहावरे एवं लोकोक्तियां (अर्थ एवं प्रयोग)
- पत्र लेखन
- हदी साहित्य के इतहिस
- इतहिस के काल वभिजन एवं नामकरण
- छत्तीसगढ के साहित्यकार एवं उनकी रचनाएं
- अपठति गद्यांश
- शब्द युग्म
- प्रारूप लेखन
- वजिजापन
- प्रपत्र
- परपित्त
- पृष्ठांकन
- अधिसूचना
- टपिपणी लेखन
- शासकीय अर्धशासकीय पत्र
- प्रतविदन
- पत्रकारति
- अनुवाद (हदी से अंगरेजी तथा अंगरेजी से हदी)

भाग 02—सामान्य अंगरेजी

- Comprehension
- Precis Writing
- Re-arrangement and Correction of Sentences
- Synonyms
- Antonyms
- Filling the Blanks
- Correction of Spellings
- Vocabulary and usage
- Idioms and Phrases
- Tenses
- Prepositions
- Active Voice and Passive voice
- Parts of Speech

भाग 03-छत्तीसगढी भाषा

- छत्तीसगढ भाषा का ज्ञान
- छत्तीसगढ भाषा का इतहिस
- वाक्य की बनावट
- व्याकरण



प्रश्न पत्र – 2 नबिंध

(अंक 200, अवध 3 घंटे)

भाग 01: अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दे

उम्मीदवारों को इस भाग में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों (कारण, वर्तमान स्थिति, डेटा और समाधान सहित) पर दो नबिंध लिखने होंगे। इस भाग में उम्मीदवार को 4 प्रश्न दिये जनिमें से कनिही 2 वषियों पर उसे लगभग 750 शब्दों में दो नबिंध लिखने होंगे। इस भाग के प्रत्येक नबिंध हेतु 50 अंक होंगे।

भाग II: छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित मुद्दे:

उम्मीदवारों को इस भाग में छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित मुद्दों (कारण, वर्तमान स्थिति, डेटा और समाधान सहित) पर दो नबिंध लिखने होंगे। इस भाग में उम्मीदवार को 4 प्रश्न दिये जाएँगे जनिमें से कनिही 2 वषियों पर उसे लगभग 750 शब्दों में दो नबिंध लिखने होंगे। इस भाग के प्रत्येक नबिंध हेतु 50 अंक होंगे।

प्रश्न पत्र – 3 इतहिस, संवधान और लोक प्रशासन

(अंक 200, अवध 3 घंटे)

भाग 01-भारत का इतहिस

- प्रागैतहिसकिक काल
- सधु सभयता
- वैदकिक सभयता
- जैन धरुत तथा बौद्ध धरुत
- मगध सामराज्य का उदय
- मौर्य राज्य तथा अरुथव्यवस्था
- गुप्त सामराज्य
- गुप्त- वाकाटक काल में कला
- स्थापत्य, साहतिय तथा वज्जान का वकिस
- दकषणि भारत के प्रमुख राजवंश
- मध्यकालीन इतहिस
- सलतनत एवं मुगल काल
- वजियनगर राज्य
- भक्त आंदोलन
- सूफीवाद
- कषेत्रीय भाषाओं में साहतिय का वकिस
- मराठों का अभ्युदय
- यूरोपियों का आगमन तथा बरुटिशि सर्वोच्चता स्थापति होने के कारक
- बरुटिशि सामराज्य का वसितार- युद्ध एवं कूटनीति
- ग्रामीण अरुथव्यवस्था- कृषि,
- भू राजस्व व्यवस्था-स्थाई बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
- हस्तशलिप उद्योग का पतन
- ईस्ट इंडिया कंपनी के रयिसतों के साथ संबंध
- प्रशासनकिक संरचना में परिवर्तन
- भू-राजस्व प्रणाली - स्थायी बंदोबस्त, रैयतवारी, महालवारी, हस्तशलिप का पतन, राज्यों के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी का संबंध, प्रशासनकिक संरचना में परिवर्तन, 1858 के बाद शहरी अरुथव्यवस्था, रेलवे का वकिस, औद्योगीकरण
- सामाजकिक धारुमकिक सुधार आंदोलन- बरुहम समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मशिन,
- राष्ट्रवाद का उदय
- 1857 की क्रांति
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
- बंगाल का वभिजन और स्वदेशी आंदोलन
- होमरूल आंदोलन
- गाँधीवादी आंदोलन
- भारत छोड़ो आंदोलन
- मजदूर कसिन एवं आदविसी आंदोलन
- दलतों में सुधार आंदोलन
- मुसलमिों में सुधार आंदोलन
- अलीगढ़ आंदोलन

दृष्टि
The Vision

- आजाद हृदि फौज
- स्वतंत्रता और भारत का वभिजन
- रयिसतों का वल्लिनीकरण ।

भाग-2 संवधान एवं लोक प्रशासन:

- भारत का संवैधानिक विकास (वर्ष 1773-1950)
- संवधान का नरिमाण एवं मूल वशिषताएँ- प्रस्तावना, संवधान की प्रकृति, मूलभूत अधिकार और कर्तव्य
- संघ की कार्यपालिका, वधायिका और न्यायपालिका ।
- संवैधानिक उपचार का अधिकार, जनहति याचिका, न्यायिक सक्रयिता, न्यायिक समीक्षा ।
- महान्यायवादी ।
- राज्य कार्यपालिका, वधायिका और न्यायपालिका, महाधक्ता ।
- केंद्र-राज्य संबंध- वधायी, कार्यकारी और वत्तीय ।
- अखलि भारतीय सेवाएँ, संघ और राज्य लोक सेवा आयोग ।
- आपातकालीन प्रावधान, संवैधानिक संशोधन ।
- आधारभूत ढाँचेकी अवधारणा ।
- छत्तीसगढ़ राज्य - वधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ।
- लोक प्रशासन- अर्थ, कार्यक्षेत्र, प्रकृति और महत्त्व ।
- उदारीकरण के तहत लोक प्रशासन और नजी प्रशासन ।
- आधुनिक लोक प्रशासन, विकास प्रशासन और तुलनात्मक प्रशासन ।
- लोक प्रशासन में नए आयाम ।
- राज्य बनाम बाज़ार ।
- कानून का शासन ।
- संगठन- सदिधांत, दृष्टिकोण और संरचना । प्रबंधन- नेतृत्व, नीति निर्धारण, नरिणय लेना ।
- प्रशासनिक प्रबंधन के उपकरण- समन्वय, प्रतनिधिमिडल, संचार, अवलोकन और प्रेरणा ।
- प्रशासनिक सुधार ।
- सुशासन, ई-शासन ।
- नौकरशाही ।
- जलिा प्रशासन ।
- भारत में प्रशासन पर नरिंत्रण - संसदीय, वत्तीय न्यायिक और कार्यपालिका ।
- लोकपाल और लोकायुक्त ।
- सूचना का अधिकार ।
- पंचायतें और नगर पालिकाएं ।
- संसद-राष्ट्रपति, एकात्मक-संघीय सरकार ।
- शक्तियों के पृथक्करण का सदिधांत । छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक संरचना ।

भाग-3 छत्तीसगढ़ का इतहिस:

- छत्तीसगढ़ का इतहिस- वैदिक युग से गुप्त काल तक
- प्रमुख राजवंश राजर्षि तुल्य कुल, नल, पांडु, सोमवंशी इत्यादी
- कलचुरी एवं उनका प्रशासन
- मराठों के अधीन छत्तीसगढ़
- बरटिशि संरक्षण में छत्तीसगढ़
- छत्तीसगढ़ की पूर्व रयिसतों एवं ज़मीदारी
- सामंती राज
- 1857 की क्रांति
- छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता आंदोलन
- श्रमिक, कृषक एवं जनजातीय आंदोलन
- छत्तीसगढ़ राज्य का नरिमाण ।

प्रश्न पत्र – 4 वज्ज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण (अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग-1: सामान्य वज्ज्ञान

रसायन वज्ज्ञान:

- रासायनिक अभिक्रिया की दर एवं रासायनिक साम्य-रासायनिक अभिक्रिया की दर का प्रारंभिक ज्ञान, तीव्र एवं मंद रासायनिक अभिक्रियाएँ।
- धातुएँ- आवर्त सारणी में धातुओं की स्थिति एवं सामान्य गुण, धातु, खनजि अयस्क, खनजि एवं अयस्क में अंतर।
- अम्ल और क्षार।
- पीएच स्केल [सरल संख्यात्मक प्रश्न]।
- एकजोथरमिक और एंडोथरमिक प्रतिक्रियाएँ।
- कुछ महत्त्वपूर्ण रासायनिक यौगिक - गुण और उपयोग। उत्पादन की विधि [पानी, वाशिंग सोडा, बेकिंग सोडा, ब्लीचिंग पाउडर और प्लास्टर ऑफ पेरिस]।
- निर्माण सामग्री-चूना सीमेंट कांच और स्टील निर्माण।
- धातु - आवर्त सारणी में धातुओं की स्थिति और सामान्य गुण।
- खनजि अयस्क, खनजि और अयस्क के बीच अंतर।
- धातुकर्म-गलाना, अयस्कों का शोधन।
- तांबे और लोहे की धातु विज्ञान।
- धातुओं का क्षरण।
- मशर्र धातु।
- अधातु - आवर्त सारणी में अधातुओं की स्थिति।
- हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और नाइट्रोजन के भौतिक गुण और उपयोग।
- कुछ महत्त्वपूर्ण कार्बनिक यौगिक - अल्कोहल और एसिटिक एसिड तैयार करने की प्रयोगशाला विधि, गुण और कुछ सामान्य कृत्रिम पॉलिमर, पॉलिथीन, पॉलीविनाइल क्लोराइड का उपयोग करता है।
- टेफ्लॉन साबुन और डिटर्जेंट।

भौतिक विज्ञान:

- ऊर्जा के स्रोत - ऊर्जा के पारंपरिक और नए स्रोत, सौर ऊर्जा के स्रोत, सूर्य में ऊर्जा की उत्पत्ति के कारण, सौर ताप उपकरण, सौर कुकर, सौर सेल, पवन ऊर्जा, बायोगैस, जीवाश्म ईंधन, आदर्श ईंधन और इसके गुण।
- परमाणु ऊर्जा, परमाणु विखंडन, संलयन, श्रृंखला प्रतिक्रिया, परमाणु रिएक्टर, परमाणु ऊर्जा का उपयोग और नुकसान।
- क्रेडा (CREDA) के बारे में सामान्य जानकारी। प्रकाश - प्रकाश के परावर्तन की प्रकृति, परावर्तन के नियम, समतल एवं वक्रता से परावर्तन, समतल, उत्तल एवं अवतल दर्पण द्वारा प्रतबिंबि रचना, फोकस दूरी तथा वक्रता त्रिज्या में संबंध
- यू-वी-एफ संख्यात्मक उदाहरणों के बीच संबंध; प्रकाश का अपवर्तन - अपवर्तन के नियम, कांच के स्लैब द्वारा अपवर्तन, क्रांतिक कोण, पूर्ण आंतरिक परावर्तन, दैनिक जीवन में पूर्ण आंतरिक परावर्तन का उपयोग।
- लेंस (अभिसारी और अपसारी लेंस)।
- लेंस द्वारा स्पष्ट फोकल लंबाई ऑप्टिकल केंद्र छवि निर्माण।
- मनुष्य की आँख, उसके दोष और उपाय।
- फोटोग्राफिक कैमरा और मानव आँख के बीच तुलना।
- सरल दूरबीन और खगोलीय दूरबीन।
- निर्माण कार्य, उपयोग, करिण आरेख [कोई सूत्र व्युत्पत्ति नहीं]।
- बजली और उसके प्रभाव - विद्युत तीव्रता, क्षमता, संभावित अंतर, विद्युत प्रवाह ओम का नियम।
- प्रतारिध, वशिष्ट प्रतारिध, प्रभावित करने वाले कारक, प्रतारिधों का संयोजन एवं इसके आंकिक प्रश्न, विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव, इसकी उपयोगिता, शक्ति एवं विद्युत ऊर्जा व्यय की गणना (आंकिक) विद्युत प्रयोग में रखी जाने वाली सावधानियाँ, प्रकाश विद्युत प्रभाव, सौर सेल, संरचना, P-N संधि, डायोड।
- विद्युत प्रवाह के रासायनिक प्रभाव।
- प्राथमिक और द्वितीयक सेल तथा उनके गुण और दोष।
- लेकलेंच सेल, ड्राई सेल, लेड संचायक सेल निर्माण।
- करंट का चुंबकीय प्रभाव - करंट का चुंबकीय प्रभाव, ओरस्टेड प्रयोग, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन, इलेक्ट्रिक मोटर, काम करने का सिद्धांत और जनरेटर का उपयोग, अल्टरनेटिंग करंट और डायरेक्ट करंट का सामान्य अध्ययन, गैसों में इलेक्ट्रिक डिसिचार्ज, डिसिचार्ज ट्यूब, कैथोड करिणें, एक्स-रे और उनके गुण।
- चुम्बकत्व - चुम्बक और उसके प्रकार, कृत्रिम चुम्बक, चुम्बक बनाने की विधियाँ, चुम्बकत्व का आणविक सिद्धांत, वचिंबकीकरण, चुम्बकीय रक्षक, बल की चुम्बकीय रेखाएँ और उनके गुण।
- बल की रेखाओं को प्लॉट करना, स्थलीय चुंबकत्व, चुंबकीय तूफान। चुंबकीय मेरडियन, भौगोलिक मेरडियन, वीएचआई और θ के बीच संबंध

जीव विज्ञान

- पशु पोषण - पोषण के प्रकार, स्वपोषी पोषण, वषिपोषी पोषण, होलोजोइक, परजीवी, मृतोपजीवी, सहजीवी, कीटभक्षी।
- पोषण प्रक्रिया की महत्त्वपूर्ण शर्तें।
- एककोशिकीय कोशिका जंतु [अमीबा] और बहुकोशिकीय जंतु टडिडे में पाचन।
- मानव पाचन तंत्र और पाचन प्रक्रिया।
- प्रकाश संश्लेषण, प्रक्रिया के मुख्य चरण।
- प्रकाश संश्लेषण परिभाषा एवं प्रक्रिया के प्रमुख पद, प्रकाश अभिक्रिया एवं अंधकार अभिक्रिया।
- श्वसन परिभाषा, श्वसन के प्रकार, मनुष्य का श्वसन तंत्र एवं श्वसन प्रक्रिया।
- परिवहन- पौधों में जल एवं खनजि लवण का परिवहन, जंतुओं में परिवहन रुधिर की संरचना तथा कार्य, रक्त वाहिकाओं की संरचना और कार्य

- [प्रारंभिक ज्ञान] रक्त की जमावट, रक्त समूह, रक्त आधान, रक्त बैंक, लसीका प्रणाली का कार्य। हृदय से संबंधित रोग।
- **उत्सर्जन** - पौधों और उत्सर्जन, उत्सर्जति उत्पाद। पशुओं में उत्सर्जन और उनके उत्सर्जन अंग।
 - मनुष्य की उत्सर्जन प्रणाली और उत्सर्जन प्रक्रिया [सामान्य जानकारी], कृत्रिम कडिनी डायलिसिस।
 - ऑस्मोरग्यूलेशन।
 - गुरदे से संबंधित रोग।
 - नयित्रण और समन्वय - पौधों और जानवरों में समन्वय।
 - मनुष्य का तंत्रिका तंत्र।
 - मानव मसूला और रीढ़ की हड्डी की संरचना और कार्य, प्रतविरत क्रिया, अंतःस्रावी ग्रंथियां हार्मोन और उनके कार्य।
 - प्रजनन एवं वृद्धि- प्रजनन के प्रकार, अलैंगिक प्रजनन, वखिंडन, मुकुलन एवं पुनरुदभवन, कृत्रिम वर्धी प्रजनन, वानस्पतिक प्रजनन, लेयरिंग, कटिंग, ग्राफ्टिंग, पार्थेनोजेनेसिस, पौधों में यौन प्रजनन, फूल की संरचना और प्रजनन प्रक्रिया [सामान्य जानकारी] परागण नषिचन।
 - मानव प्रजनन प्रणाली और प्रजनन प्रक्रिया।
 - आनुवंशिकता और विकास - आनुवंशिकता और भिन्नता। आनुवंशिकता गुणसूत्र और डीएनए [प्रारंभिक जानकारी] जीन का आधार।
 - लिंग निर्धारण जैविक विकास का प्रारंभिक ज्ञान [ओपेरनि का सिद्धांत केवल

भाग-2: योग्यता परीक्षण, तार्किक योग्यता एवं बुद्धिमत्ता परीक्षण

- परमिय संख्याओं का जोड़ना, घटाना, गुणा करना, भाग देना
- परमिय संख्याओं के बीच परमिय संख्या ज्ञात करना।
- अनुपात एवं समानुपात- अनुपात एवं समानुपात की परिभाषा, योगानुपात, अंतर अनुपात, व्युत्क्र मानुपात आदि उनके अनु प्रयोग
- वाणजिय गणति- बैंकिंग, बचत खाता, सावधि जमा खाता एवं आवर्ती जमा खाता पर ब्याज की गणना।
- आयकर की गणना (केवल वेतन भोगी के लिए तथा गृह भाड़ा भत्ता को छोड़कर)
- गुणखंड,
- लघुत्तम समापवर्तक एवं महत्तम समापवर्तक
- वैदिक गणति- जोड़ना, घटाना, गुणा, भाग, वजिांक से उत्तर की जांच।
- वर्गमूल, वर्ग
- घन, घनमूल
- बीजगणति में वैदिक विधियों का प्रयोग आदि।
- भारतीय गणतिज्ञ एवं उनका कृतित्व- आर्यभट्ट, वराह महिरी, ब्रह्मगुप्त, भास्कर आचार्य, श्रीनिवास रामानुजन के संदर्भ में।
- गणतीय संक्रियाएं, मूल संख्यात्मक कार्य
- आंकड़ों की व्याख्या- चार्ट, रेखांकन, तालिका, आंकड़ों के पर्याप्तता इत्यादि।
- आंकड़ों का विश्लेषण
- समांतर माध्य एवं माध्यिका
- बहुलक
- प्रायिकता, प्रायिकता के जोड़ पर आधारित प्रश्न
- व्यावहारिक गणति- लाभ हानि प्रतशित ब्याज एवं औसत।
- समय गति, दूरी, नदी, नाम।
- परीक्षण
- विषम शब्द, शब्दों का विषम जोड़,
- सांकेतिक भाषा परीक्षण, संबंधी परीक्षण, वर्णमाला परीक्षण, शब्दों का तार्किक विश्लेषण, छोटे हुए अंक या शब्द की प्रवृष्टि, कथन एवं कारण
- स्थिति प्रतिक्रिया परीक्षण
- आकृति श्रेणी
- तथ्यों का लुप्त होना
- सामान्य मानसिक योग्यता।

भाग 3: एप्लाइड एवं व्यावहारिक विज्ञान

- ग्रामीण भारत में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
- कंप्यूटर का आधारभूत ज्ञान, संचार एवं प्रसारण में कंप्यूटर
- आर्थिक वृद्धि और टवेयर का विकास, IT के वृहद अनुप्रयोग
- ऊर्जा संसाधन- ऊर्जा की मांग, ऊर्जा का नवीनीकरण और नवीनीकरण, ऊर्जा के स्रोत, नाभिकीय ऊर्जा का देश में विकास एवं उपयोगिता।
- भारत में वर्तमान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास, कृषि का उदभव, कृषि विज्ञान में प्रगति एवं उसके प्रभाव, भारत में फसल विज्ञान, उर्वरक, कीट नयित्रण एवं भारत में रोगों का परदृश्य।
- जैव विविधता एवं उसका संरक्षण- सामान्य परिचय- परिभाषा, अनुवांशिक प्रजात एवं पारस्थितिकी तंत्र विविधता।
- भारत का जैव भौगोलिक वर्गीकरण
- जैव विविधता का महत्त्व वनिाशकारी उपयोग, उत्पादक उपयोग, सामाजिक, नैतिक, वैकल्पिक दृष्टि से महत्त्व।
- भारत एक वृहद विविधता वाले राष्ट्र के रूप में। जैव विविधता के हॉट स्पॉट।
- भारत की वलुप्त होती तथा स्थानीय प्रजातियाँ।
- जैव विविधता का संरक्षण
- पर्यावरण प्रदूषण- कारण प्रभाव एवं नयित्रण के उपाय- वायु प्रदूषण, जल, समुद्री प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, नाभिकीय

प्रदूषण।

- टोस अपशषिट प्रबंध नगरीय एवं औद्योगिकि टोस कूडे करकट का प्रबंधन: कारण, प्रभाव एवं नयित्रण।
- प्रदूषण के नयित्रण में व्यक्तकी भूमिका।

प्रश्न पत्र - 05 अर्थशास्त्र और भूगोल

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग 01 - भारत और छत्तीसगढ़ का अर्थशास्त्र

- राष्ट्रीय और प्रतियुक्त आय, आर्थिक सुधार, मौद्रिक नीति, साक्षरता और व्यावसायिक संरचना, ग्रामीण विकास, बजट नीति, सहकारी समितियों की संरचना और विकास, बाल श्रम और महिला अधिकारिता।
- छत्तीसगढ़ के संदर्भ में -
 - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पछिड़ा वर्ग की जनसांख्यिकीय विशेषताएं और सामाजिक पछिड़ापन
 - वर्ग और अल्पसंख्यक।
 - साक्षरता और व्यावसायिक संरचना, आय के क्षेत्रीय वितरण में परिवर्तन और रोजगार।
 - महिलाओं का सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सशक्तिकरण। बाल श्रम की समस्या।
 - राज्य की वृत्ति एवं बजटीय नीति, कर संरचना, केन्द्रीय कर में हसिसेदारी, राजस्व एवं पूंजी खाता में व्यय संरचना, उसी प्रकार योजना एवं गैर-योजनागत व्यय, सार्वजनिक ऋण की संरचना।
 - आंतरिक एवं विश्व बैंक के ऋण सहित बाह्य ऋण। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण साख के संस्थागत एवं गैर-संस्थागत स्रोत। सहकारिता की संरचना एवं वृद्धि तथा कुल साख में उनके हसिसे, पर्याप्तता एवं समस्याएं।

भाग 02 - भारत का भूगोल

- भारत की भौतिक विशेषताएं, स्थान और वसितार, भूवैज्ञानिक संरचना, भौतिक विभाजन, जल निकासी प्रणाली, जलवायु, मटिटी, वनस्पति और वन की नपुसकता, भारतीय वन नीति, वन संरक्षण, मानव विशेषताएँ - जनसंख्या, जनगणना, जनसंख्या वृद्धि, घनत्व और वितरण।
- जनम दर, मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, प्रवासन, साक्षरता, व्यावसायिक संरचना, शहरीकरण।
- कृषि - भारतीय कृषि की विशेषताएं, कृषि खाद्य फसलें, अनाज, दालें, तलिन और अन्य फसलें, उत्पादन और वितरण, सचिाई के साधन और इसका महत्त्व, कृषि का आधुनिकीकरण, कृषि और योजना की समस्याएं, सचिाई बहुउद्देशीय परियोजनाएं, हरति क्रांति, श्वेत क्रांति, नीली क्रांति।
- खनजि संसाधन- खनजि का भंडारण, उत्पादन और वितरण।
- ऊर्जा संसाधन- कोयला, पेट्रोलियम, थर्मल पावर ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत।
- उद्योग- भारत में उद्योगों का विकास और संरचना, बड़े पैमाने के मध्यम, छोटे और छोटे पैमाने के उद्योग, कृषि, वन और खनजि आधारित उद्योग।

भाग 03 - छत्तीसगढ़ का भूगोल

- छत्तीसगढ़ की भौतिक विशेषताएं, स्थान और वसितार, भूवैज्ञानिक संरचना, भौतिक प्रभाग, जल निकासी प्रणाली, जलवायु, मटिटी, वनस्पति और वन्य जीवन, वन का महत्त्व, वन्य जीवन प्रबंधन प्रणाली, राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य, राज्य वन नीति, वन संरक्षण।
- मानव विशेषताएँ - जनसंख्या, जनसंख्या वृद्धि, घनत्व और वितरण। मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, प्रवासन, लिंग अनुपात, आयु समूह, अनुसूचित जाति जनसंख्या साक्षरता, व्यावसायिक संरचना, शहरीकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम।
- कृषि - कृषि खाद्य फसलें, अनाज, दलहन, तलिन और अन्य फसलें, उत्पादन और वितरण, सचिाई के साधन और इसका महत्त्व, महत्त्वपूर्ण सचिाई परियोजनाएं, कृषि की समस्या और कसिानों के लिए राज्य योजना।
- खनजि संसाधन- छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रकार के खनजि भंडारण, खनजि का उत्पादन एवं वितरण।
- ऊर्जा संसाधन- कोयला, ताप वदियुत ऊर्जा, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत।
- उद्योग- छत्तीसगढ़ में उद्योगों का विकास और संरचना, बड़े मध्यम, लघु एवं लघुतर क्षेत्र। कृषि, वन व खनजि आधारित उद्योग। परिवहन के साधन एवं पर्यटन।

प्रश्न पत्र - 06 दर्शनशास्त्र और समाजशास्त्र

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग-1: दर्शनशास्त्र

- दर्शन का स्वरूप, धर्म एवं संस्कृति से उसका संबंध भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन में अंतर,
- वेद एवं उपनिषद्-ब्रह्मा, आत्मा, ऋत, गीता दर्शन-स्थितिपरज्ज, स्वधर्म, कर्मयोग, चारवाक दर्शन-ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, सुखवाद, जैन दर्शन-जीव का स्वरूप, अनेकांतवाद, स्यादवाद, पंचमहावर्त बौद्ध दर्शन-प्रतीत्यसमुत्पाद, अष्टांग मार्ग, अनात्मवाद, कर्षणिकवाद, सांख्य दर्शन-सत्कार्यवाद, प्रकृति एवं पुरुष का स्वरूप, विकासवाद
- योग दर्शन-अष्टांग योग, न्याय दर्शन-परमा, अपरमा, असत्कार्यवाद, वैशेषिक दर्शन-परमाणुवाद, मीमांसा दर्शन-धर्म, अपूर्व का सिद्धान्त, अद्वैत वेदान्त-ब्रह्म, माया, जगत, मोक्ष, कौटिल्य-सप्तांग सिद्धान्त, मण्डल सिद्धान्त गुरूनानक

- सामाजिक नैतिक चिन्तन, गुरु घासीदास-सतनाम पथ की वशिषताएं, वल्लभाचार्य-पुष्टमिर्ग, स्वामी वविकानन्द-व्यावहारिक वेदान्त, सार्वभौम धर्म, श्री अरविन्द-समग्र योग, अतमिानस, महात्मा गांधी-अहसा, सत्याग्रह, एकादश व्रत, भीमराव अम्बेडकर-सामाजिक चिन्तन,
- दीनदयाल उपाध्याय-एकात्म मानव दर्शन ,
- प्लेटो-सद्गुण, अरस्तू-कारणता सिद्धान्त, संत एन्सेलम-ईश्वर सिद्धि हेतु सत्तामूलक तरक, देकार्त-संदेह पद्धति, मैं सोचता हूँ, इसलिये मैं हूँ, स्पेनोजा-दरव्य, सर्वेश्वरवाद, लाइबनीतज-चदिणुवाद, पूर्व स्थापति सामंजस्य का सिद्धान्त लॉक-ज्ञानमीमांसा, बर्कले-सत्ता अनुभवमूलक है, ह्यूम-संदेहवाद, कांट-समीक्षावाद, हेगल-बोध एवं सत्ता, दवन्दवात्मक प्रत्ययवाद, बरेडले-प्रत्ययवाद, मूर-वस्तुवाद, ए.जे. एयर-सत्यापन सिद्धान्त, जॉन डेवी-व्यवहारवाद सारत्र-असत्तिवाद, धर्म का अभिप्राय, धर्मदर्शन का स्वरूप, धार्मिक सहिष्णुता, पंथ नरिपेक्षता, अशुभ की समस्या,
- नैतिक मूल्य एवं नैतिक दुविधा, प्रशासन में नैतिक तत्त्व, सत्यनषिठा, उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता, लोक सेवकों हेतु आचरण संहिता,
- भ्रष्टाचार-अर्थ, प्रकार, कारण एवं प्रभाव, भ्रष्टाचार दूर करने के उपाय,
- व्हसिलब्लोअर की प्रासंगिकता ।

भाग-2: समाजशास्त्र-(50 अंक)

- अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति, अध्ययन का महत्व, अन्य विज्ञानों से इसका संबंध ।
- प्राथमिक अवधारणाएँ-समाज, समुदाय, समिति, संस्था, सामाजिक समूह, जन रीतियाँ एवं लोकाचार ।
- व्यक्ती एवं समाज-सामाजिक अतः क्रियाएँ, स्थिति एवं भूमिका, संस्कृति एवं व्यक्तीत्व, समाजीकरण ।
- हनिदू सामाजिक संगठन-धर्म, आश्रम, वर्ण, पुरुषार्थ ।
- सामाजिक स्तरीकरण-जाति एवं वर्ण । सामाजिक प्रक्रियाएँ-सामाजिक अतः क्रिया, सहयोग, संघर्ष, प्रतिसिद्धि ।
- सामाजिक नियंत्रण एवं सामाजिक परिवर्तन-सामाजिक नियंत्रण के साधन एवं अभिकरण ।
- सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ एवं कारक । भारतीय सामाजिक समस्याएँ सामाजिक विघटन, नियमहीनता, अलगाव, वषिमता ।
- सामाजिक शोध एवं प्रविधियाँ-सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य, सामाजिक घटनाओं के अध्ययन में वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग, वस्तुनिष्ठता की समस्या, तथ्य संकलन की प्रविधियाँ एवं उपकरण-अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची ।

भाग-3: छत्तीसगढ़ का सामाजिक परिदृश्य

- जनजातीय सामाजिक संगठन, विवाह, परिवार, गोत्र, युवा, समूह, जनजातीय विकास-इतिहास कार्यक्रम व नीतियाँ-संवैधानिक व्यवस्था ।
- छत्तीसगढ़ की वशिष पछिड़ी जनजातियाँ, अन्य जनजातियाँ, अनुसूचित जातियाँ एवं अन्य पछिड़ा वर्ग की जातियाँ, छत्तीसगढ़ के जनजातियों में प्रचलित प्रमुख आभूषण एवं वशिष परंपराएँ, जनजातीय समस्याएँ : पृथक्करण, प्रवासन और परसंस्कृतीकरण ।
- छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य एवं प्रमुख लोक कलाकार, छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोककथा, लोक नाट्य!
- जनऊला मुहावरे, हाना, लोकोक्तियाँ ।
- छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्य, संगीत एवं ललित कला के क्षेत्र में स्थापित संस्थाएँ, उक्त क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्थापित सम्मान एवं पुरस्कार ।
- छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख मेले तथा पर्व-त्यौहार, राज्य के पुरातात्विक संरक्षण समारक एवं स्थल तथा उत्खनित स्थल, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चनिहांकित पर्यटन स्थल, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और बस्तर के जलप्रताप एवं गुफाएँ, छत्तीसगढ़ के प्रमुख संत ।

मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम Paper 07

प्रश्न पत्र - 07 कल्याणकारी, विकासात्मक कार्यक्रम एवं कानून

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग-1: कल्याणकारी, विकासात्मक कार्यक्रम एवं कानून

- सामाजिक एवं महत्त्वपूर्ण विधान- भारतीय समाज, सामाजिक बदलाव के एक साधन के रूप में सामाजिक विधान, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, भारतीय संविधान एवं आपराधिक विधि (दण्ड प्रक्रिया संहिता) के अंतर्गत महिलाओं को प्राप्त सुरक्षा (सीआरपीसी),
- घरेलू हिंसा से स्त्री का संरक्षण अधिनियम-2005, सविलि अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम-1988.
- छत्तीसगढ़ के संदर्भ में : छत्तीसगढ़ में प्रचलित विभिन्न नियम/अधिनियम एवं उनके छत्तीसगढ़ के नविसयों पर कल्याणकारी एवं विकासात्मक प्रभाव ।
- छत्तीसगढ़ शासन की कल्याणकारी योजनाएं: छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर प्रचलित कल्याणकारी, जनोपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण योजनाएँ ।

भाग-2: अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेल, घटनाएँ एवं संगठन

संयुक्त राष्ट्र एवं उसके सहयोगी संगठन, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं एशियाई बैंक, सार्क, ब्रिक्स अन्य द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय समूह, विश्व व्यापार संगठन एवं भारत पर इसके प्रभाव, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय खेल एवं प्रतियोगिताएँ ।

भाग-3: अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाएँ एवं मानव विकास में उनका योगदान

कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, भारत में मानव संसाधन की नियोजिता एवं उत्पादकता, रोज़गार के विभिन्न चलन (ट्रेंड्स) मानव संसाधन विकास में विभिन्न संस्थाओं पर विदे, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/cgpsc-syllabus>

